मत्स्य दर्पण
Matsyadarpan
ICAR-CIFE Newsletter
Jul-Sep 2020

हिन्दी पखवाड़ा - 2020

संस्थान में दिनांक 14 सितम्बर, 2020 को निदेशक महोदय की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़ा - 2020 का उद्घाटन ऑनलाइन किया गया। इस अवसर पर निदेशक डा. गोपाल कृष्णा महोदय ने सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि भाषा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है तथा यह देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। आपने हिन्दी के प्रयोग में गुणात्मक व संख्यात्मक वृध्दि के साथ-साथ कम्प्यूटर के प्रयोग को सुनिश्चित करने हेतु बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के दिन हम संकल्प कर भारत के संविधान में वर्णित राजभाषा के प्रावधानों के प्रति निष्ठावान रहेंगे तथा सरकारी काम-काज में हरसंभव हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाएं।

तदुपरांत विभागाध्यक्षों क्रमश: डा. किशोर कृष्णानी, डा. एस. एन. ओझा एवं डा. बी.बी. नायक ने हिन्दी में व्याख्यान प्रस्तुत किए। दिनांक 15 व 22 सितम्बर 2020 को संस्थान के मोतीपुर केन्द्र में तथा 26 सितम्बर 2020 को कोलकाता केन्द्र में वेबिनार का आयोजन किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत लेखन, भाषण, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी, गीत/कविता आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिला दिवस एवं सांयस क्लब व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनांक 28 सितम्बर 2020 को डा. राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार के कुलपति डा. ए.के. श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य एवं निदेशक व कुलपति डा. गोपाल कृष्णा की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह समस्त प्रतिभागियों को पुरुस्कृत कर संपन्न हुआ।

बिहार एवं झारखंड के लिए प्रौद्योगिकी संचालित मछली पालन विकास की संभावना पर वेबिनार

मोतीपुर केन्द्र

केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई एवं उसके क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र मोतीपुर के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला सह वेबिनार का आयोजन मोतीपुर केंद्र से दिनांक 15/09/2020 को 10:30 बजे पूर्वाह्न 2:25 अपराह्न तक किया गया। इस वेबिनार में शीर्षक " बिहार एवं झारखंड के लिए प्रौद्योगिकी संचालित मछली पालन की सम्भावना" था। इस वेबिनारमें लगभग डेढ सौ किसान एवं उद्यमी ने भाग लिया। कार्यक्रम चार सत्रों में विभाजित किया गया था। प्रथम सत्र में अतिथि तथा अतिथि विशिष्ट को परिचर्चा रखी गई थी। जिसमें सर्वप्रथम निदेशक केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई डॉ. गोपाल कृष्णा ने स्वागत भाषण दिया तथा संस्थान की किसानों और उद्यमियों के सहयोग की कटिबद्धतता जताई। उन्होंने संस्थान के विभिन्न गतिविधियां तथा संस्थान एवं उसके मोतीपुर केंद्र का क्षेत्र में मत्स्य पालन के विकास के लिए तकनीकी सहयोग की अपने प्रयसो पर चर्चा की तथा आगे भी इस क्रम को बढ़ाने पर जोर दिया।

बिहार सरकार के पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के सचिव श्री एन. श्रवण कुमार ने राज्य में नीतिगत सहयोग तथा किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा प्रस्तुत किया। उन्होंने इसके साथ ही राज्य में उन्नत तकनीक जैसे बायोफ्लॉक, आर. ए. एस. तथा केज द्वारा मछली पालन पर जोर देने के उद्देश्य को उजागर किया। उन्होंने केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई तथा उसके केंद्रों से तकनीकी सहयोग एवं तकनीकी प्रदर्शन का सहयोग मांगा। झारखंड के विशेष सचिव मत्स्य, पशुपालन तथा सहकारिता विभाग ने भी मछली पालन पर विस्तृत पर चर्चा प्रस्तुत किया। उन्होंने मछली पालन में औद्योगिक नजरिया प्रोत्साहित करने पर बल दिया। इस क्षेत्र में लंबे लक्ष्य और पालन के साथ-साथ मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण आदि सभी पहलुओं का पर जोर डाला। उन्होंने मछली पालन में विभिन्न व्यवसाय मॉडल तथा संपूर्ण मूल्य श्रृंखला पर जोर देने के लिए उद्यमियों से आह्वान किया।

तकनीकी सत्र में डॉ. अकलाकुर ने बायोफ्लॉक तकनीक, डॉ. आशुतोष डी देव ने आर.ए.एस. पर परिचर्चा प्रस्तुत किया। इसी क्रम में डॉ. सौरभ कुमार ने रोग प्रबंधन तथा रोकथाम पर चर्चा प्रस्तुत किया। जबकि संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं डीन डॉ. एन. पी. साहू ने आहार प्रबंधन पर विशेष परिचर्चा किया तथा डॉ. शिवेंद्र कुमार ने बेहतर प्रबंधन तकनीक पर अपने परिचर्चा प्रस्तुत किया।

तकनीकी सत्र के दौरान ही इंडस्ट्री के वक्ता, श्री रिजवान जो गोदरेज एग्रोवेट के तकनीकी प्रमुख के रूप में थे। उन्होंने किसानों के समक्ष इंडस्ट्री की तकनीकी सहयोग के भरपूर कोशिश का उल्लेख किया। उद्योग जगत से किसानों के अधिक लाभ के लिए फीड एड्डीटीव पर विशेष चर्चा डॉ. ए. के. पाल ने प्रस्तुत किया। माननीय कृषि एवं पशुपालन तथा मात्स्यिकी मंत्री बिहार सरकार श्री डॉ. प्रेम कुमार ने माननीय प्रधानमंत्री की मछली पालन के लिए विशेष योजना पर प्रकाश डाला तथा राज्य में हो रहे मात्स्यिकी एवं मछली पालन विकास संबंधित प्रयास की भी विवेचना प्रस्तुत किया। उन्होंने क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र मोतीपुर एवं केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई के कार्य की सराहना की तथावेबिनारके लिए बधाई दिया। कार्यक्रम का चौथा सत्र उद्यमियों के अनुभव तथा उनके अपेक्षाओं के लिए था, जिसमें श्री अभिषेक कुमार वैशाली एवं श्री निशांत कुमार रांची ने अपने तालाब एवं बायोफ्लॉक विधि से मछली पालन के अनुभव को साझा किया। साथ ही उन्होंने तकनीकी सहयोग की अपनी अपेक्षाओं को व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन माननीय निदेशक महोदय के प्रतिक्रिया एवं समापन संदेश के उपरांत डॉ. एस. एन. ओझा विभागाध्यक्ष प्रसार विभाग केंद्रीय शिक्षा संस्थान मुंबई के धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत हुआ।

उद्यमी अग्रणीत विस्तार से मछली पालन का विकास पर वेबिनार

केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई एवं उसके क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र मोतीपुर के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला सह वेबिनारका आयोजन मोतीपुर केंद्र से दिनांक 22/09/2020 को 10:30 बजे पूर्वाहन 2:35 अपराहन तक किया गया। इस वेबिनारमें शीर्षक “उद्यमी अग्रणीत विस्तार से मछली पालन का विकास” था। इस वेबिनारमें लगभग १२० किसान एवं उद्यमी ने भाग लिया। कार्यक्रम चार सत्रों में विभाजित किया गया था।प्रथम सत्र में अतिथि तथा अतिथि विशिष्ट की परिचर्चा रखी गई थी। जिसमें सर्वप्रथम निदेशक केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई, डॉ. गोपाल कृष्णा ने स्वागत भाषण दिया तथा उद्यमी से अपील की वो क्षेत्र में नीली क्रांति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने अहम् भमिका को निभाएं। और इन्होने इसके लिए संस्थान की उद्यमियों के सहयोग की कटिबद्धतता जताई। क्षेत्र में मत्स्य पालन के विकास के लिए तकनीकी सहयोग देकर उद्यमी अग्रणीत विस्तार के इस क्रम को बढ़ाने पर जोर दिया।

झारखंड के विशेष सचिव मत्स्य, पशुपालन तथा सहकारिता विभाग ने भी प्रसंस्करण एवं मूल्य समवर्धन तथता मछली मार्केटिंग पर विस्तृत पर चर्चा प्रस्तुत किया। उन्होंने मछली मार्केटिंग एक संगठित प्रयास एवं व्यवस्था को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। इस क्षेत्र में लंबे लक्ष्य और पालन के साथ-साथ मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण आदि सभी पहलुओं का पर जोर डाला। उन्होंने मछली पालन में विभिन्न व्यवसाय मॉडल तथा संपूर्ण मूल्य श्रृंखला पर जोर देने के लिए उद्यमियों से आह्वान किया।

तकनीकी सत्र में डॉ. अकलाकुर ने उद्यमियों की अपेक्षाएं एवं उनके बीच परस्पर संबंध को बेहतर बनाने उपाय, डॉ. एस. एन. ओझा ने उद्यमी अग्रणीत विस्तार की सम्भावना एवं अवसर, बीज गुणवता एवं आपूर्ति पर जी. एच. पाय्लान ने विशेष चर्चा प्रस्तुत किया। इसी क्रम में डॉ. ए. के. पाल पूर्व उपनिदेशक एवं इडस्ट्री सलाहकार ने नए इनपुट के क्षेत्र में स्टार्ट अपके अवसर पर परिचर्चा प्रस्तुत किया।

10 उद्यमियों के समूह का एक अनुभव् साझा एवं वक्तव्य सत्र रखा गया।जिसमें उद्यमियों ने खुल कर अपने विचार रखें तथा अपने समस्याओं से सबको अवगत कराया। माननीय कृषि एवं पशुपालन तथा मात्स्यिकी मंत्री बिहार सरकार डॉ. प्रेम कुमार ने राज्य की विशेष योजना पर प्रकाश डाला तथा नयी तरह के विस्तार तकनीक उद्यमी अग्रणीत विस्तार की सराहना की। उन्होंने कहा ऐसे प्रयास राज्य के उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए बहुत जरुरी है।उन्होंने क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, मोतीपुर एवं केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के कार्य की सराहना की तथा वेबिनारके लिए बधाई दिया।। कार्यक्रम का समापन माननीय निदेशक महोदय के प्रतिक्रिया एवं समापन संदेश के उपरांत डॉ. मो. अकलाकुर प्रभारी क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र मोतीपुर के धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत हुआ।

कोलकाता केन्द्र द्वारा वेबिनार का आयोजन

केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान कोलकाता केन्द्र द्वारा दिनांक 26 सितम्बर 2020 को प्रात: 10.30 बजे से “आत्मनिर्भर भारत के लिए जलकृषि क्षेत्र में युवा उद्यमशीलता विकास” विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार कि मुख्य अतिथि डॉ. एम. वी. राव महोदय भारतीय प्रशासनिक सेवा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, पी एवं आर डी विभाग, पश्चिम बंगाल थे। मुख्य भाषण हेतु विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान के भूतपूर्व कुलपति/निदेशक डॉ. दिलीप कुमार महोदय थे। वेबिनार का उदघाटन संस्थान के कुलपति एवं निदेशक, डॉ. गोपाल कृष्णा महोदय द्वारा आभासी रूप से दीप प्रज्जलित कर किया गया।

संस्थान के कुलपति एवं निदेशक, डॉ. गोपाल कृष्णा महोदय ने स्वागत भाषण में इस वेबिनार की पुष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कुलपति महोदय ने बताया कि कई सारी तकनीकियों जो हमारे पास है जैसे की मत्स्य पालन संबंधी, सरकारी योजना संबंधी, ऋण सुविधा, विपणन व्यवस्था, इसे किसानों तक पहुंचाकर एवं उद्यमियों को प्रशिक्षित कर परस्पर सहयोग से इस क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करना है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना पर चर्चा करते हुये निदेशक महोदय ने कहा की इस क्षेत्र के विकास के लिए बड़ा बजट आबंटित किया गया है। तथा सरकार की नई शिक्षा नीति में भी इस क्षेत्र हेतु कई आयाम उभरकर आ रहे हें। अत: इन सभी चीजों को एकसाथ एक मंच पर लाकर एवं विभिन्न विभागों से समन्वयन कराकर मात्स्यिकी क्षेत्र का विकाश किया जा सकता हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. एम. वी. राव महोदय ने मात्स्यिकी क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुये कहा ये क्षेत्र भारत का ग्रोथ इंजिन हैं। लाखो लोग आजीवीका के लिए इस पर निर्भर हैं। उन्होने अपना अनुभव और सफल मात्स्यिकी योजना के बारे में बताया। रंग बिरंगी मछली पालन, मत्स्य बीज उत्पादन एवं वितरण और खानेवाले मछली पालन क्षेत्र में युवावर्ग अपना रोजगार शुरुआत कर सकता है। मत्स्य उद्यमी, मत्स्य सहयोग समिति एवं कृषि विज्ञान केन्द्र भी इस क्षेत्र के विकास में योगदान दे रहा है। डॉ दिलीप कुमार महोदय ने अपने संबोधन में अंतर्देशीय और समुद्री जलीय कृषि से जुड़े अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने युवा उद्यमियों को सरकार द्वारा भारी बजट आवंटन के अवसरों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। युवा उद्यमियों को वैज्ञानिक विधि से जलकृषि में, उत्पादन और आय बढ़ाने के लिए उन्होंने इनडोर एक्वाकल्चर आरएएस और बायोफ्लोक जैसी नई तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री परवेज अहमद खान, डॉ बिजन मंडल आदि ने भी अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

परिचर्चा सत्र में उद्यमियों एवं किसानो ने भाग लिया तथा अपने अनुभव एवं समस्याओं को वैज्ञानिकों के समक्ष रखा और वैज्ञानिकों ने उनका समस्याओं का समाधान बताया। इस आयोजन में 115 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

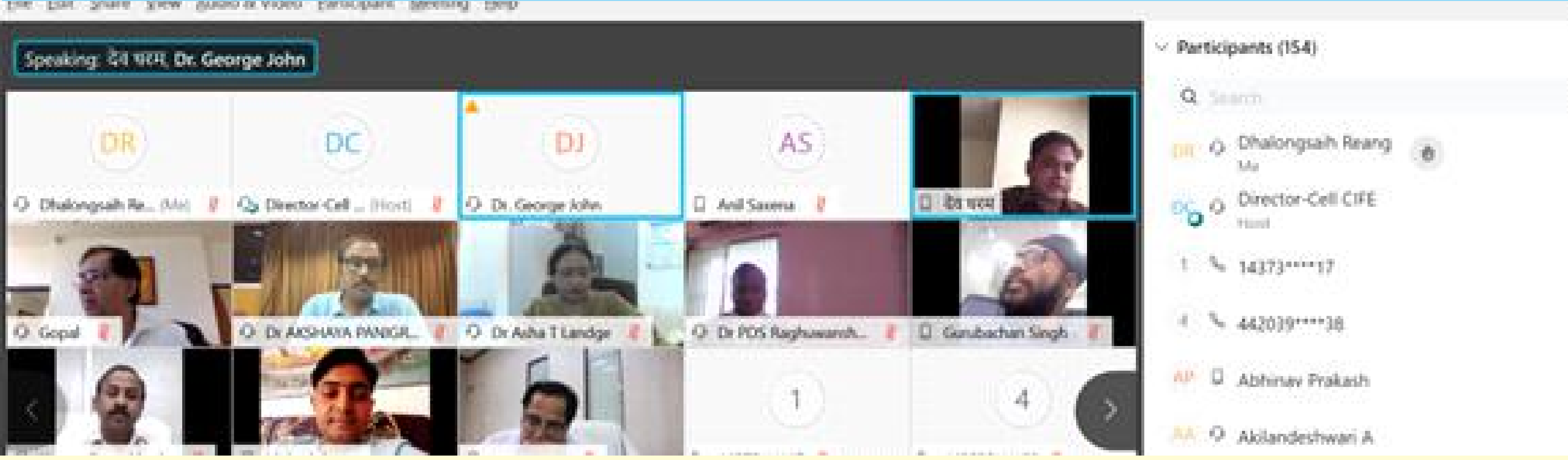

पवारखेड़ा केंद्र द्वारा वेबिनार "भविष्य की जलकृषि" का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई के मध्य प्रदेश, होशंगाबाद स्थित केन्द्र में 29 सितम्बर, 2020 को संस्थान के निदेशक व कुलपति डा. गोपाल कृष्णा के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए "भविष्य की जलकृषि (Next Generation Aquaculture)" पर वेबिनार आयोजित किया।

उन्नत कृषि प्रणाली में तकनीकी ज्ञान की वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हिंदी में यह वेबिनार आयोजित किया गया। अपने उद्बोधन में निदेशक महोदय ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जलकृषि के विकास में केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई एवं इसके पवारखेड़ा केन्द्र की भूमिका को रेखांकित किया। आमंत्रित व्याख्यान में श्री ओ. पी. सक्सेना, निदेशक, राज्य मात्स्यिकी विभाग, मध्य प्रदेश एवं श्री के. वी. शुक्ला, निदेशक राज्य मात्स्यिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शामिल थे। जिन्होंने अपने-अपने राज्यों में मत्स्य पालन की स्थिति और भविष्य की संभावनाओं के साथ नवीनतम जलकृषि तकनीक पर विशेष बल दिया। जॉर्ज जॉन, पूर्व कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची झारखंड ने "तकनीक आधारित जलकृषि विकास" पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया जलकृषि और कृषि समुदाय के समग्र विकास पर अपने विशाल अनुभव को साझा किया।

आमंत्रित व्याख्यान अंतर्गत डा. ए. के. पाणिग्रही, भा.कृ.अनु.प.-के.खा.ज.सं. (ICAR-CIBA), चेन्नई ने मीठे पानी के जलकृषि बायोफ्लोक पर विषय जानकारी दी। इसके साथ ही भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई के संकाय सदस्यों डा. ए. के. वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. सुनील कुमार नायक, वैज्ञानिक, डा. मुरलीधर अंडे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं श्री डा. रियांग,वैज्ञानिक ने भी अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

व्याख्यान सत्र के पश्चात् वैज्ञानिकों एवं कृषकों के बीच संवाद सत्र हुआ। जिसमें कृषकों को जलकृषि संबंधी समस्याओं एवं शंकाओं का सफलतापूर्वक समाधान किया गया। वेबिनार में कुल 16 प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी रही।

74 वां स्वतंत्रता दिवस

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई 15 अगस्त 2020 को देश का 74 वां स्वतंत्रता दिवस हमेशा की भांति देशभक्तिपूर्ण तरीके से मनाया गया। संस्थान के पांचों केन्द्रों, पवारखेड़ा, काकिनाडा, रोहतक, कोलकाता, मोतीपुर में भी स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक व कुलपति डा. गोपाल कृष्णा ने संस्थान मुख्यालय में ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात् देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। अपने उद्बोधन में निदेशक महोदय ने संस्थान द्वारा शिक्षण, अनुसंधान व प्रसार कार्यक्रमों से किए जा रहे प्रयासों के संबंध में प्रसन्नता व्यक्त की। इसके साथ ही संस्थान द्वारा उत्कृष्टता के तय किए गए मानकों को प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिकों / अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों में संस्थान को शीर्ष स्थान में पहुंचाने के लिए अतिआवश्यक बताया। इस अवसर पर देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के साथ ही पौधारोपण कार्यक्रम में कोविड - 19 को दृष्टिगत रख सुरक्षा के सभी दिशा निर्देशों का पाल किया गया।

नियुक्ति

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	नियुक्ति तिथि
1	श्री एम. कोंडाला राव काकिनाडा केन्द्र	कुशल सहायक कर्मचारी	24 सितंबर 2020

पदस्थापना

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	कहां से स्थानांतरण	कार्यमुक्ति की तिथि
1	श्री किरण दशरथ रसाळ	वैज्ञानिक, CIFA, भुवनेश्वर	3 अगस्त, 2020
2	डा. सुखधाने कपिल सुखदेव	वैज्ञानिक ,CMFRI, वेरावल	3 अगस्त, 2020
3	डा. सुमन मन्ना	वैज्ञानिक, IARI, नई दिल्ली	10 अगस्त, 2020
4.	डा. मनोज पंडित ब्राम्हणे	प्रधान वैज्ञानिक , NIASM, बारामती	28 सितंबर, 2020

सेवानिवृत्ति

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1	श्री बी. एस. ताम्हणकर	कुशल सहायक कर्मचारी	31जुलै, 2020
2	श्री रमेश चौधरी	कुशल सहायक कर्मचारी	31 अगस्त, 2020
3	श्री सिकंदर हुसैन शेख	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	30 सितंबर, 2020

निधन

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1	श्री विनोद जी. ढिंढोरे	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	11 सितंबर, 2020

सहभागिता

भा.कृ.अनु.प-के.मा.शि.सं., मुंबई के संकाय / वैज्ञानिकों द्वारा (SKILL-BIF) भा.कृ.अनु.प-रा.कृ.अनु.प्र.अ. (ICAR-NAARM) द्वारा "कृषि में उन्नत बायोइन्फार्मेटिक्स टूल्स एवं उसके अनुप्रयोग" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (14 से 19 सितम्बर, 2020) में प्रतिभागिता की गई।

भा.कृ.अनु.प-के.मा.शि.सं., मुंबई के संकाय / वैज्ञानिकों द्वारा ''अनुसंधान परियोजना सूत्रीकरण एवं क्रियान्वयन में डिजायन थिंकिग'' विषय पर भा.कृ.अनु.प-रा.कृ.अनु.प्र.अ. (ICAR-NAARM), हैदराबाद द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (25-29 अगस्त, 2020) में भाग लिया गया।

मानव केंद्रित नवाचार पर वेबिनार - भा.कृ.अनु.प-के.मा.शि.सं., मुंबई में मानव केंद्रित नवाचार पर 24 जुलाई, 2020 को वेबिनार का आयोजन किया गया। लेखक व उद्यमी ऑक्सफोर्ड वि.वि., ब्रिटेन के श्री पार्थजीत शर्मा वेबिनार के मुख्य वक्ता थे।

कार्यशाला : भा.कृ.अनु.प-के.मा.शि.सं., मुंबई में 30 सितम्बर, 2020 को "प्लास्टिक प्रदूषण एवं इसके जलकृषि एवं समुद्री जनजीवन पर प्रभाव" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

संकलन एवं संपादन
हिन्दी अनुभाग
छायाचित्र
एस के शर्मा
प्रकाशन
डा. गोपाल कृष्णा,
निदेशक व कुलपति, के.मा.शि.सं., मुंबई

केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान
(वि.वि. अ. आ. कानून के भाग तीन के तहत वि.वि.)
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
पंच मार्ग, ऑफ यारी रोड, मुंबई - ४०००६१
फोन - ०२२ - २६३६१४४६/७/८
email - contact@cife.edu.in / website : www.cife.edu.in

Matsyadarpan

ICAR-CIFE Newsletter
Jul-Sep 2020

Hindi Pakhwada-2020

Hindi Pakhwada – 2020 was inaugurated online On 14 September, 2020 at ICAR – CIFE, under the chairmanship of the Director/ Vice chancellor Dr. Gopal Krishna. On this occasion, Director Dr. Gopal Krishna while wishing everyone on Hindi Day said that language plays a pivotal role in the development of unity and integrity of any nation. Hindi is also a capable link language and is the most spoken language across the country. He emphasized on qualitative and quantitative growth of Hindi and also reiterated to ensure the use of computers in our official work. He said that on this day, we must resolve to remain loyal to the provisions of the Official Language mentioned in the Constitution of our country and must be determined to increase the progressive use of Hindi in the official work.

Subsequently, the Heads of the Divisions, Dr. Kishore Krishnani, Dr. S. N. Ojha and Dr. B.B. Nayak presented their lectures in Hindi. Hindi Webinars were also organized during Hindi Pakhwada. On 15th and 22nd September 2020 at Motipur centre and on 26th September 2020 at Kolkata centre of the Institute Hindi Webinars were organized. Competitions like elocution, writing, painting, quiz, song / poem recitation etc. were organized during Hindi Pakhwada-2020. Women's Day and Science Club lectures were also organized. Vice Chancellor of Dr. Rajendra Prasad Agricultural University, Pusa, Bihar, Dr. A.K. Shrivastava was the chief guest of the valedictory function. The function was concluded by awarding all the participants.

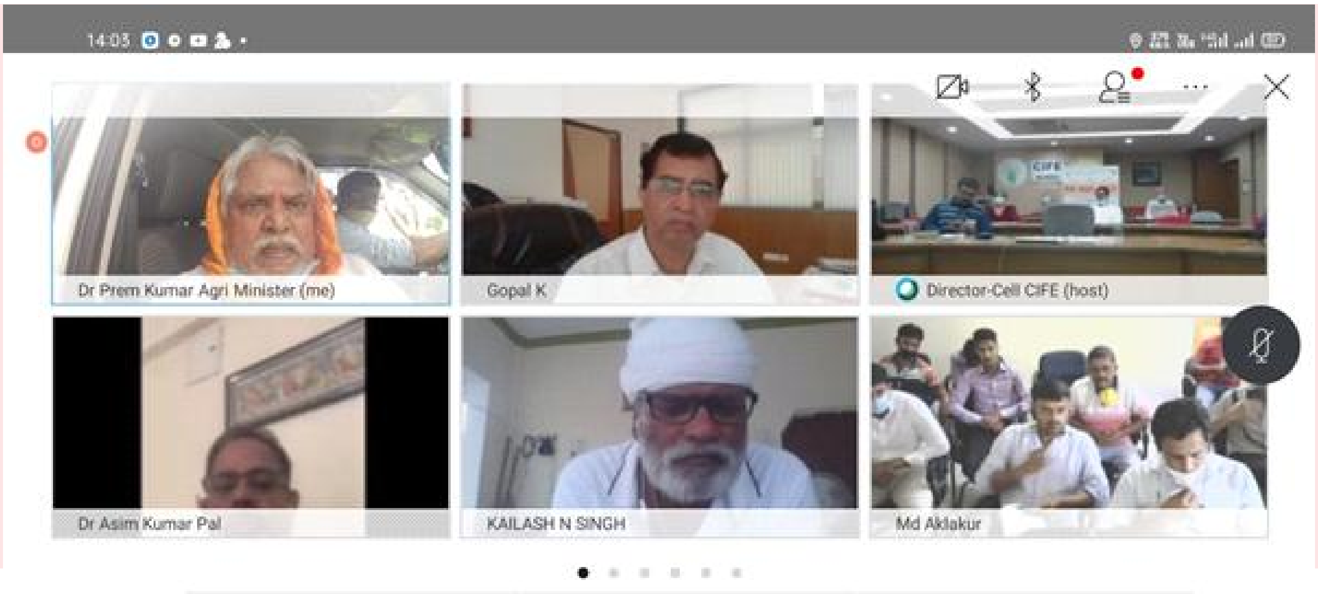

One Day workshop cum webinar organized by Motipur Centre

One Day workshop cum webinar organized by Motipur Centre, Central Institute of Fisheries Education, Mumbai and its Regional Research and Training Centre, Motipur on "Avenues of technology led fisheries for Bihar and Jharkhand" on 15/09/2020. About one hundred fifty farmers and entrepreneurs participated in this webinar. The program was divided into four sessions. Discussion was held In the first session inwhich first of all Director, Central Institute of Fisheries Education, Mumbai Dr. Gopal Krishna gave a welcome address and expressed his commitment to the farmers and entrepreneurs for providing cooperation of the institute.

secretary of Animal Husbandry and Fisheries Department, Government of Bihar, Shri N. Shravan Kumar has discussed various schemes for the farmers in the state. He also spoke about advanced techniques such as biofloc, RAS and Cage culture in the state. Special Secretary of Fisheries, Animal Husbandry and Cooperation Department, Jharkhand also presented a detailed views on fisheries. He Emphasied on encouragement of Prolonged goals and adherence in this area as well as value addition and processing. He has Emphasied entrepreneurs to adopt the various business models. During the technical session the speaker of the industry, Mr. Rizwan who is the technical head of Godrej Agrovet was also present. He mentioned the efforts of the industry for technical support to the farmers. Special talk on feed additives for the benefit of farmers in the industry was presented by Dr. A. K. Pal.

Hon'ble Minister of Agriculture and Animal Husbandry and Fisheries, Government of Bihar, Dr. Prem Kumar, Highlighted the special scheme for fisheries development in the state. He congratulated ICAR-CIFE and its Motipur centre for the webinar. The fourth session of the program was for the experience and expectations of the entrepreneurs. Shri Abhishek Kumar Vaishali and Mr. Nishant Kumar Ranchi shared their experiences of rearing fish in pond and by biofloc method. They also expressed their expectations of technical cooperation. Concluding remark was given by Honorable Director of ICAR-CIFE, Dr. Gopal Krishna. Vote of thanks was presented by Dr. S. N. Ojha.

Webinar Organized by Motipur centre

One day workshop cum webinar was organized on 22/09/2020 at 10:30 AM to 2:35 PM by Central Institute of Fisheries Education, Mumbai and its Regional Research and Training Centre, Motipur. The title of this webinar was "**Entrepreneur led extension for aquaculture development**". About 120 farmers and entrepreneurs participated in this webinar. The program was divided into four sessions. In the first session, all invitees discussed about the entrepreneurship and vision for development in the sector. First of all Director, Central Institute of Fisheries Education, Mumbai Dr. Gopal Krishna gave a welcome speech and appealed to the entrepreneurs to play their key role to achieve the goal of blue revolution in the region. He expressed his commitment to support the entrepreneurs by institute and its regional centre. He also spoke about the activities of institute and technical support in the region by its Motipur centre. Special Secretary Fisheries, Animal Husbandry and Cooperative Department of Jharkhand also spoke on processing & value addition and Fish Marketing. He emphasized on organized effort and arrangement of fish marketing. Emphasis was laid on all aspects of value addition, live marketing etc. along with long-term goals and adherence to the business principle and discipline. He called on entrepreneurs to emphasize different business models and the entire value chain in fisheries.

In technical session, Dr. Akalakur described the expectations of entrepreneurs in different group as input, production and marketing and measures to improve the interrelationship between them. Dr. S. N. Ojha discussed about the possibility and opportunity of entrepreneurial advancement. Dr. G H Pailan discussed about seed quality and supply chain. In the same order, Dr. A. K. Pal, former Jt. Director and industry advisor presented a discussion on opportunity to new start-ups in aquaculture input supply.

An experience sharing session of the group of 10 entrepreneurs was held inwhich they expressed their views and made all participants aware of their problems. Hon'ble Minister of Agriculture and Animal Husbandry and Fisheries, Government of Bihar, Dr. Prem Kumar highlighted the special plan of the state and praised the new type of extension technology, **Entrepreneur Led Extension**. He said that such efforts are very important for the entrepreneurs of the state to move forward. He appreciated the work of Regional Research and Training Centre Motipur and Central Institute of Fisheries Education, Mumbai and congratulated for the webinar. At the end Concluding remark was given by honorable Director ICAR-CIFE Dr. Gopal Krishna. Vote of thanks was extended by Dr. MD. Akalakur in-charge Regional Research and Training Centre, Motipur.

Report of Webiner on 'Entrepreneurship development in aquaculture sector for youth towards Atmanirbhar Bharat (In Hindi)' on 26th September, 2020 organized by ICAR-CIFE, Kolkata Centre

A Webiner was organized by ICAR-CIFE, Kolkata Centre on 'Entrepreneurship development in aquaculture sector for youth towards Atmanirbhar Bharat (In Hindi)' on 26th September, 2020. In the Inaugural Session Dr. Gopal Krishna, Vice-Chancellor & Director, ICAR-CIFE, Mumbai welcomed all dignitaries and participants and briefly explained the aim of the Webiner.

Dr. M.V. Rao, I.A.S, Additional Chief Secretary, P& RD Department, West Bengal, Chief Guest of the Webner shared some experiences and success story of food fish and ornamental fish farmers through effective intervention in respect of marketing of farm produces in some districts of West Bengal.

Dr. Dilip Kumar, Former Vice-Chancellor & Director, ICAR-CIFE, Mumbai in his keynote address discussed scope and opportunities of both inland and marine aquaculture. He encouraged youth and entrepreneurs to utilize the opportunities of huge budget allocation by the Govt. of India through submitting appropriate schemes to the financial organizations for financial assistance. He explained advantages of aquaculture over agricultural operations in respect of price, non-consumptive use of water, harvesting in different stages of farming, wide range of culture option through stocking of various species, integration with agriculture and animal husbandry etc. He also advised farmers and entrepreneurs to take advantages scientific farming and adoption of newer technology like RAS and biofloc system for indoor aquaculture for enhancement of production and income.

The technical session of the webiner started with a lecture on 'Entrepreneurship development through feed based aquaculture' by Dr. N. P. Sahu, Principal Scientist & HOD of Fish Nutrition Division, ICAR-CIFE, Mumbai. He highlighted necessity of farm made feed to reduce production cost in aquaculture. He gave idea of smaller units of soil, water and feed processing units using unconventional ingredients and techniques.

Dr. G. H. Pailan, Principal Scientist & OIC, ICAR-CIFE, Kolkata Centre delivered a lecture on 'Development of entrepreneurship in organic & integrated fish farming'. He emphasized on scope of income generation through organic farming in aquaculture and integration of animal

husbandry, crop production and vegetable production.

In third speech Dr. M. Karthikeyan, Director, MPEDA, Kochi, discussed on 'Institutional support for Entrepreneurship development in aquaculture'. He informed the audience about various schemes seafood processing and other schemes related to aquaculture development.

In fourth lecture Mr. Parvez Ahmed Khan, S.A Exports. Kolkata elaborated on 'Entrepreneurship avenues in post harvest & value chain development'. He encouraged entrepreneurs to come forward with positive mindset for income generation in post-Covid 19 periods. He briefly discussed the steps of value chain development and scope of marketing and income generation of value added products.

Dr. Bijan Mondal, Fisheries Consultant, P& RD Department, West Bengal nicely presented the various activities of training and demonstration organized by the Govt. of West Bengal for entrepreneurship development of rural women and also encouraged the audience visit their unit for training and future guidance.

Dr. B. K. Mahapatra, Principal Scientist, ICAR-CIFE, Kolkata Centre on his lecture on 'Entrepreneurship in ornamental fish culture', highlighted scope income generation through culture of various species like Rosbora, Gaurami, Albino Magur etc..in Eastern and North-eastern states of India.

Dr. S. Munilkumar, Principal Scientist, ICAR-CIFE, Kolkata Centre in his discussion on 'Entrepreneurship in seed production technology' highlighted scope of employment through seed production various fish species.

Dr. Aklakur, Scientist & OIC, ICAR-CIFE, Motipur Centre – lectured on aquaculture for promoting Atmanirbhar Bharat encouraged audience for establishment of start-up availing financial assistance from different bank and financial institution of Govt. of India to achieve the goal of 'Atmanirbhar Bharat'.

In question and answer session farmers shared their success as well as failure of their aquaculture unit and experts answered the quires to overcome their problems. A total of 150 participants were participated in the webinar.

In concluding remarks Dr. Gopal Krishna, Director, ICAR-CIFE, Mumbai thanked the dignitaries for their valuable suggestions and participants for their active participation for the successes of webinar. He assured that every possible step will be taken for development of need-based and area-specific HRD programme.

The webinar was ended with the vote of thanks presented by Dr. D. K. Singh, Scientist, ICAR-CIFE, Kolkata Centre

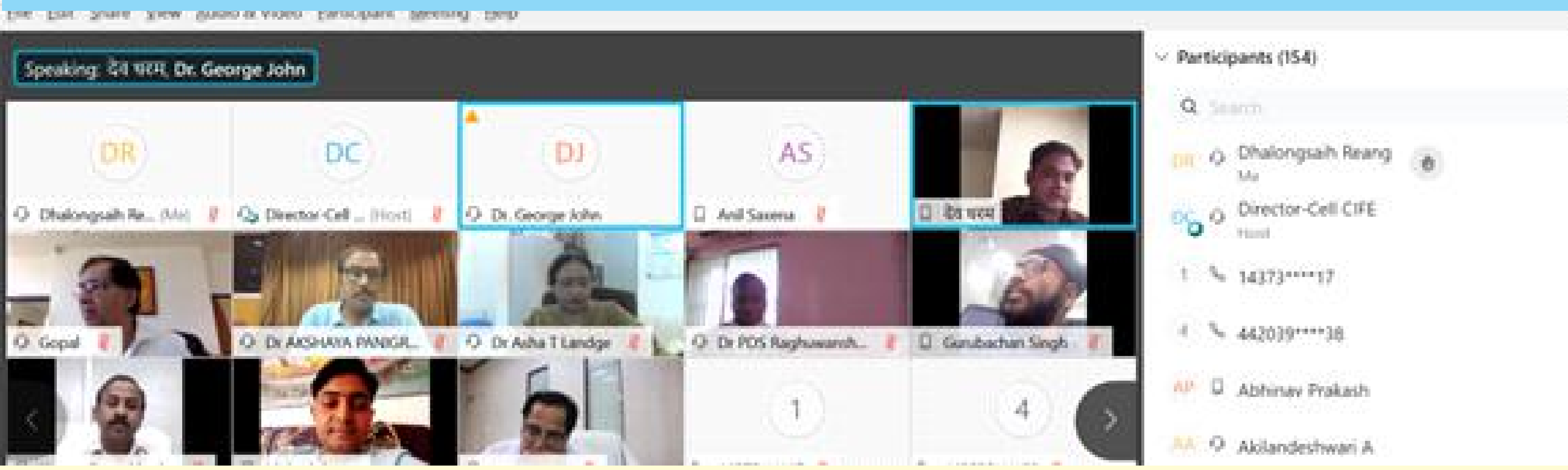

A Virtual Webinar on ' Next Generation Aquaculture'

A Virtual Webinar on "Next Generation Aquaculture for Madhya Pradesh and Chhattisgarh was organised on 29th September, 2020 at ICAR-CIFE, Powarkheda Centre, Madhya Pradesh under the guidance of Dr. Gopal Krishna, Director, CIFE, Mumbai. This webinar was organised keeping in view the present need of technical knowledge in advancedfish farming system, that can be adopted by fish farmers and entrepreneurs to enhance productivity and profitability. The medium of the lectures was in Hindi.Shri Devendra Kumar Dharam, Asst. Director, Raj Bhasha, compared and moderated the program in Hindi. Farmers, entrepreneurs, students, state government officials especially from the State of Madhya Pradesh and Chhattisgarh participated in this webinar. A total of 160 active participants benefitted from this webinar. Dr. Gopal Krishna, Director, CIFE, Mumbaiemphasis on the role of CIFE, Powarkheda centre for the development of aquaculture in Madhya Pradesh and Chhattisgarh in his inaugural address. Invited Lectures includedShri O. P. Saxena, Director, State Fisheries Department, Govt. of Madhya Pradeshand ShriV.K.Shukla, Director, State Fisheries Department, Govt. of Chhattisgarh. Both the directors highlighted the status of fisheries in their respective states and future prospect with special emphasis on latest aquaculture technology.Dr. George John, Former Vice-Chancellor, Birsa Agriculture University, Ranchi, Jharkhand presented his lecture on "The technology led Aquaculture Development" and shared his vast experience on aquaculture and overall development of farming community. Invited lecture also includedDr. A.K.Panigrahi , Principal Scientist, ICAR-CIBA. Chennai, who gave insight on the topic "Bio-floc in freshwater aquaculture". Beside this faculty members of CIFE Dr. A.K.Verma, Senior Scientist, Dr. Sunil Kumar Nayak, Scientist, Dr. MuralidharAnde, Senior Scientist, Mr. Dhalongsaih Reang, Scientist also presented their lectures on various topics like Aquaponics, IMTA, Pangas breeding and status of genetically improved fishes in India.

Scientist- farmer interaction session was conducted at the end of lecture session and farmers from Madhya Pradesh and Chhattisgarh put forward their doubts on issues in their own aquaculture farm. All doubts were cleared by concern experts in the field and it was a very fruitful session. The program was concluded with vote of thanks by Shri Laxmi Prasad Bamaliya, ACTO, CIFE, Powarkheda

Celebration of the 74th Independence Day of India -

The 74th Independence Day of India was celebrated by the ICAR-Central Institute of Fisheries Education, with earnest patriotic spirits, conforming to social distancing protocol at the Mumbai Headquarter and its five centres at Kolkata, Kakinada, Rohtak, Powarkheda and Motipur. The Director & Vice-Chancellor Dr Gopal Krishna hoisted the national flag, which was followed by the rendition of the National Anthem. During his address the Director and Vice-chancellor proudly proclaimed that with dedicated attempts towards achieving excellence in academics, research and outreach activities, this Institute has created a niche for itself in the international and national arena. He highlighted that the targets that he had envisioned are being achieved with the concerted efforts of staff and students, who have joined hands to take this national Institute to greater heights. Patriotic songs and recitation by staff members and plantation program (reinforcing our pledge for a healthier green campus), were among the other solemn events to commemorate the day with a promise to excel in our future endeavors.

Appointment

Sl. No.	Name of the Officials	Designation	Date of Joining	
1	Shri M. Kondala Rao	Kakinada Centre	Skilled Support Staff	24.09.2020

Joining at CIFE

Sl. No.	Name of the Employee	Transfer From	Date of Relieving
1	Sh. Kiran Dashrath Rasal Scientist (Fish Genetics & Breeding)	CIFA, Bhubaneshwar	03.08.2020
2.	Dr. Sukhdhane Kapil Sukhadeo Scientist (Fisheries Resource Management)	CMFRI, Verawal	03.08.2020
3.	Dr. Suman Manna Scientist (Agri. Chemical)	IARI, New Delhi	10.08.2020
4.	Dr. Manoj Pandit Brahmane, Principal Scientist (Biotechnology- AS)	NIASM, Baramati	28.09.2020

Superannuation

Sl. No.	Name of the Employee	Date of Retirement
1	Sh. B.S.Tamankar, SSS	31.07.2020
2	Shri Ramesh Chowdhury, SSS, Kolkata Centre	31.08.2020
3	Mr. Sikendra Hussain Shaikh, Sr. Tech Assistant (Driver)	30.09.2020

Demise

Sl. No.	Name of the Employee	Date of Retirement
1	Shri Vinod G. Dhindore, Sr. Tech. Assistant (Driver)	11.09.2020

Participation

Scientists / Faculty of ICAR-CIFE participated in Online Training (September 14 – 19,2020) on "Advanced Bioinformatics Tools and its Applications in Agriculture" – Organised by SKILL – BIF, ICAR –NAARM

Scientists / Faculty of ICAR-CIFE participated in Online Training on Design Thinking in Research Project Formulation and Implementation" – organised by ICAR – NAARM Hyderabad during August 25 – 29, 2020.

Webinar on Human Centric Innovations - A webinar on Human Centric Innovations was organise by ICAR –CIFE, Mumbai on 24 July,2020. Mr. Parthjeet Sharma a scholar from Oxford University UK, a writer, award winning innovator and an entrepreneur was the key speaker of the Webinar

Workshop - A workshop on Plastic Pollution and its impacts on Fishing and Marine life was Organised by ICAR – CIFE, Mumbai on 30 September 2020

Compiled and Edited by: Hindi division

Photographs: S.K. Sharma, D. Bhoomaiah

Published by: Dr. Gopal Krishna
Director, ICAR-CIFE, Mumbai

ICAR-Central Institute of Fisheries Education
(University under Sec.3 of UGC Act, 1956)
Indian Council of Agricultural Research
Panch Marg, Off Yari Road, Mumbai 400061.
Phone: 022-26361446/7/8
email: contact@cife.edu.in, website: www.cife.edu.in